तांडव

दूसरे की जिंदगी और मौत के बीच झूल रहीं सांसें, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

अनियंत्रित रेत लदे ट्रक ने ट्रैक्टर को रौंदा, एक की मौत

बीजाडांडी, उदयपुर, नवभारत। जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बीजाडांडी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उदयपुर में सोमवार की सुबह एक खौफनाक सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार और रेत से लोड़ अनियंत्रित हाईवा ने पेट्रोल पंप के सामने ट्रैक्टर को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

इस भीषण दुर्घटना में ट्रैक्टर सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिसकी हालत नाजुक बनी हुई है। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है और ग्रामीणों ने बेलगाम हाईवा चालकों के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है।

जानकारी अनुसार सोमवार को फिरोज मंसूरी 45 वर्ष, निवासी उदयपुर और पेसी लाल 55 वर्ष, निवासी तरवानी अपने ट्रैक्टर में डीजल डलवाने के लिए ग्राम उदयपुर स्थित पेट्रोल पंप की ओर निकले थे। जैसे ही वे पंप के पास पहुंचे, मंडला की ओर से आ रहे रेत से लोड एक हाईवा ने पीछे से ट्रैक्टर को जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर हाईवे के अगले हिस्से में फंस गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हाईवा की रफ्तार इतनी अधिक थी कि चालक ने ट्रैक्टर के फंसने के बाद भी उसे करीब 20 फीट तक सड़क पर घसीटा। इस दौरान ट्रैक्टर पर सवार फिरोज और पेसी लाल उछलकर काफी दूर जा गिरे। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को तुरंत जबलपुर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने पेसी लाल को मृत घोषित कर दिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया। वहीं फिरोज मंसूरी की हालत फिलहाल अत्यंत नाजुक बनी हुई है और वे आईसीयू में भर्ती हैं।

यमदूत बनकर दौड़ रहे बेलगाम ओवरलोडिंग हाईवा

मंडला-जबलपुर हाईवे पर ओवरलोड हाईवा का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि सैकड़ों हाईवा रोजाना क्षमता से अधिक रेत भरकर यमदूत की तरह सड़क पर दौड़ते हैं। ओवरलोडिंग के कारण ये वाहन अनियंत्रित हो जाते हैं और ब्रेक लगाने में असमर्थ होते हैं। अभी कुछ दिन पूर्व ही उदयपुर और बीजाडांडी के बीच एक हाईवा सड़क से 15 फीट नीचे जा गिरा था, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग मौन साधे हुए हैं। हैरानी की बात यह है कि मंडला से लेकर उदयपुर तक के रास्ते में कई पुलिस थाने और चौकियां पड़ती हैं, लेकिन इन बेलगाम हाईवा पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जाती। ग्रामीणों ने कटाक्ष करते हुए कहा कि पुलिस और प्रशासन केवल दोपहिया वाहन चालकों पर हेलमेट और कागजों के नाम पर कार्रवाई कर उन्हें परेशान करते हैं, लेकिन मौत बनकर दौड़ रहे इन बड़े वाहनों को रोकने की हिम्मत किसी में नहीं है।

नींद के झोंकों में था चालक

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि हाईवा का चालक संभवत: नींद के झोंकों में था। अधिक फेरे लगाने और मुनाफा कमाने के चक्कर में चालक रात-भर जागते हैं, जिससे दिन के समय ऐसे भयानक हादसे होते हैं। दुर्घटना के तुरंत बाद भागने की कोशिश कर रहे चालक और हाईवा गाड़ी को ग्रामीणों ने घेराबंदी कर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। मृतक पेसी लाल के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गाँव में शोक के साथ प्रशासन के प्रति भारी गुस्सा देखा जा रहा है। पुलिस ने फिलहाल मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन जनता का विश्वास तभी बहाल होगा जब सड़क पर दौड़ते इन किलर भारी वाहनों पर नकेल कसी जाएगी।

दोपहिया वाहन चालकों के लिए बढ़ा खतरा

इन ओवरलोड हाईवा के कारण सड़क पर केवल हादसों का ही डर नहीं है, बल्कि इनसे उड़ने वाली रेत भी राहगीरों के लिए मुसीबत बन गई है। हाईवे के किनारे रेत की परतें जम गई हैं। जब ये वाहन तेज रफ्तार में गुजरते हैं, तो पीछे उड़ती हुई रेत दोपहिया वाहन चालकों की आंखों में घुस जाती है, जिससे संतुलन बिगड़ने से छोटी गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो रही हैं।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

उदयपुर की इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यदि जल्द ही इन वाहनों की रफ्तार और लोडिंग पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो आए दिन निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ेगी। ग्रामीणों और पीड़ित परिजनों ने मांग की है कि ओवरलोड वाहनों पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए। निश्चित समय सीमा से अधिक वाहन चलाने वाले चालकों का लाइसेंस निरस्त किया जाए। नेशनल हाईवे पर पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए जिससे तेज रफ्तार वाहनों को नियंत्रित किया जा सके।

चौपहिया वाहन की टक्कर के बाद ट्रक के नीचे घुसी बाइक

उदयपुर पेट्रोल पंप के पास सड़क हादसा

उदयपुर। बीजाडांडी के ग्राम उदयपुर में सोमवार का दिन हादसों के नाम रहा। सुबह ट्रैक्टर और हाईवा की भीषण भिड़ंत के महज 3 घंटे बाद पेट्रोल पंप से सिर्फ 100 मीटर की दूरी पर एक और दर्दनाक हादसा घटित हुआ। इस घटना में एक बाइक सवार दंपति मौत के मुंह से बाल-बाल बच गए, हालांकि उनकी मोटरसाइकिल पूरी तरह चकनाचूर हो गई।

जानकारी अनुसार सुनील चौधरी अपनी पत्नी मेघा चौधरी के साथ जबलपुर से अपने पैतृक गांव नारायणगंज के ग्राम गुजरसानी लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक एक तेज रफ्तार काले रंग की कार ने उनकी बाइक को साइड से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दंपति छिटककर सड़क से दूर जा गिरे, जबकि उनकी बाइक सड़क के बीचों-बीच आ गई। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। मोटरसाइकिल ट्रक के अगले हिस्से में घुसकर बुरी तरह नष्ट हो गई। खुशकिस्मती रही कि सुनील और मेघा चौधरी को केवल मामूली चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीजाडांडी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और यातायात बहाल कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है। एक ही स्थान पर कम अंतराल में दो हादसों ने सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की जरूरत को एक बार फिर रेखांकित कर दिया है।

सीईओ के सरकारी बंगले पर कर्मचारी का कब्जा

राजस्व विभाग ने थमाया फर्जी पट्टा, रसूख के आगे प्रशासन नतमस्तक

घुघरी, नवभारत। शासकीय संपत्तियों की सुरक्षा का जिम्मा उठाने वाले विभाग जब खुद भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाएं, तो न्याय की उम्मीद किससे की जाए? जनपद पंचायत घुघरी में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ मुख्य कार्यपालन अधिकारी के लिए आरक्षित शासकीय आवास पर एक सरकारी कर्मचारी ने न केवल अवैध कब्जा जमा लिया है, बल्कि राजस्व विभाग की कथित मेहरबानी से उस बेशकीमती जमीन का भू-अधिकार पत्र (पट्टा) भी अपने परिवार के नाम करवा लिया है।

निजी मकान होने के बाद भी सरकारी बंगले पर नजर

ग्राम पंचायत घुघरी स्थित वह भवन, जो आधिकारिक तौर पर जनपद सीईओ का निवास है, आज एक अतिक्रमणकारी की जागीर बन चुका है। चौंकाने वाली बात यह है कि कब्जा करने वाला व्यक्ति स्वयं एक शासकीय कर्मचारी है और उसका अपना निजी मकान भी है। नियमानुसार, निजी आवास होने की स्थिति में कोई भी कर्मचारी शासकीय आवास का हकदार नहीं होता, लेकिन यहाँ तो पूरी सरकारी इमारत पर ही मालिकाना हक जताने की तैयारी कर ली गई है।

राजस्व विभाग की भूमिका संदिग्ध

स्थानीय सूत्रों का आरोप है कि राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत के बिना यह खेल संभव नहीं था। सवाल उठ रहे हैं कि जिस शासकीय जमीन और भवन का पट्टा कभी निजी व्यक्ति के नाम नहीं हो सकता, उसका भू-अधिकार पत्र परिजनों के नाम कैसे जारी हो गया? क्या पट्टा जारी करने से पहले जमीन के रिकॉर्ड (खसरा-खतौनी) की जांच जानबूझकर नहीं की गई?

शिकायतों के बाद भी कार्रवाई शून्य

इस फर्जीवाड़े के संबंध में स्थानीय पत्रकारों ने कई बार तहसीलदार और पटवारी को साक्ष्यों के साथ अवगत कराया, लेकिन आज तक न तो कोई जांच कमेटी गठित हुई और न ही पट्टा निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई। चर्चा है कि राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होने के कारण उक्त कर्मचारी के हौसले इतने बुलंद हैं कि वह अन्य स्थानों पर भी अतिक्रमण को बढ़ावा दे रहा है।

गरीबों पर बुलडोजर, रसूखदारों को संरक्षण

ग्रामीणों में प्रशासन के इस दोहरे चेहरे को लेकर भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर कोई गरीब अपनी गुजर-बसर के लिए सड़क किनारे छोटी सी झोपड़ी भी बना ले, तो तहसीलदार और पटवारी की टीम तुरंत बुलडोजर लेकर पहुंच जाती है, लेकिन यहाँ एक रसूखदार कर्मचारी ने पूरी सरकारी इमारत को कब्जा रखी है और अधिकारी मौन साधे हुए हैं।

इनका कहना है

पत्रकारों के माध्यम से यह मामला मेरे संज्ञान में आया है। मुझे इस संबंध में पूर्व में जानकारी नहीं थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी पूरी जांच कराई जाएगी और तथ्य गलत पाए जाने पर पट्टा निरस्त कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सचिन जैन, एसडीएम, घुघरी

अज्ञात वाहन की टक्कर से कालपी डिपो के पास पलटी कार

डायल 112 के कर्मियों ने निकाला सुरक्षित, बाल-बाल बचा परिवार

नारायणगंज। नेशनल हाईवे 30 पर एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहाँ जबलपुर से मंडला की ओर जा रही एक कार भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। घटना ग्राम कालपी स्थित वन डिपो के समीप की है।

जानकारी अनुसार कार में एक ही परिवार के चार लोग सवार थे जो जबलपुर से अपने गृह नगर मंडला लौट रहे थे। इसी दौरान कालपी वन डिपो के सामने विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन मार्ग से नीचे उतरकर पलट गया।

गनीमत रही कि इस खौफनाक हादसे में कार सवार चारों सदस्य चमत्कारिक रूप से सुरक्षित बच गए और किसी को भी गंभीर चोटें नहीं आईं। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुँची और कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। राहत कार्य के बाद परिवार को मंडला की ओर रवाना किया गया। पुलिस फिलहाल टक्कर मारकर फरार हुए अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

अवैध रेत परिवहन पर दो डंपर जब्त

मंडला. खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देश पर खनिज विभाग ने शिकायतों के आधार पर ग्राम हिरदेनगर तहसील क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान अवैध रेत परिवहन करते हुए दो डंपर जब्त किए हैं। खनिज विभाग की टीम ने वाहन क्रमांक एमपी 20 एक्ससी 2621 एवं एमपी 20 जेडडी 9963 को अवैध रूप से रेत परिवहन करते हुए पकड़ा। दोनों वाहनों को जब्त कर चौकी हिरदेनगर प्रभारी की सुपुर्दगी में रखा गया है। संबंधित वाहनों के विरुद्ध मप्र खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत करने की कार्रवाई की जा रही है।

पीएचसी जमठार में बच्चों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित

बीजाडांडी। स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग बीजाडांडी के संयुक्त तत्वावधान में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमथार में मेम एवं सेम बच्चों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आरबीएसके टीम के डॉ ललित चतुर्वेदी ने 36 बच्चों की स्वास्थ्य जांच की।

जांच के दौरान तीन गंभीर कुपोषित (सेम) बच्चों का चिन्हांकन किया गया, जिन्हें एनआरसी नारायणगंज रेफर किए जाने के संबंध में परिजनों को समझाइश दी गई। शिविर में मध्यम कुपोषित बच्चों का सी-सेम अभियान के अंतर्गत उपचार एवं आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

कार्यक्रम के सफल संचालन में परियोजना अधिकारी बीजाडांडी मनीषा तिवारी एवं एस झरिया, बीई बीजाडांडी का विशेष सहयोग रहा। शिविर में पीएचसी जमथार का समस्त स्वास्थ्य स्टाफ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

नवागत एसपी ने बिछिया थाने का किया औचक निरीक्षण

स्टाफ से लिया परिचय, लंबित मामलों के त्वरित निराकरण और जनता से शालीन व्यवहार के दिए निर्देश

भुआ बिछिया। जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी ने सोमवार को भुआ बिछिया थाने का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने न केवल स्टाफ से परिचय प्राप्त किया, बल्कि थाने की सुरक्षा व्यवस्था और रिकॉर्ड मेंटेनेंस की बारीकी से समीक्षा भी की। एसपी रघुवंशी ने थाना परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई, सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता, बंदीगृह और मालखाना का गहन अवलोकन किया।

उन्होंने अपराध रजिस्टर की जांच करते हुए लंबित मर्ग, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य गंभीर आपराधिक प्रकरणों की प्रगति रिपोर्ट मांगी। एसपी ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि रिकॉर्ड को सुव्यवस्थित रखा जाए और थानों में वर्षों से जब्त पड़े वाहनों के निस्तारण के लिए शीघ्र वैधानिक कार्रवाई की जाए।

माइक्रो बीट सिस्टम पर दिया जोर

निरीक्षण के दौरान एसपी ने माइक्रो बीट सिस्टम और बीट प्रभारियों की कार्यप्रणाली को भी परखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण के लिए सूचना तंत्र का मजबूत होना अनिवार्य है। पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्रों की छोटी से छोटी सूचना को तत्काल दर्ज करें और उच्चाधिकारियों को अवगत कराएं। जनता और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से एसपी ने पुलिसकर्मियों को नसीहत दी कि थाने आने वाले हर फरियादी के साथ विनम्र व्यवहार किया जाए।

शिकायतों पर बिना देरी किए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो, जिससे आमजन का पुलिस पर विश्वास और मजबूत हो सके। अंत में एसपी ने सभी पुलिसकर्मियों को अनुशासन बनाए रखने और पेशेवर कार्यशैली अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी भी दी कि भविष्य में भी इसी तरह के औचक निरीक्षण जारी रहेंगे और लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बदमाशों ने घर पर बमबाजी कर फैलाई क्षेत्र में दहशत

जबलपुर। कैंट थाना अंतर्गत नेहरू नगर इलाके में बीती रात पुरानी रंजिश के चलते तीन युवकों ने एक महिला के घर पर बम से हमला कर दिया। धमाके की आवाज से इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नेहरू नगर निवासी श्रीमती मारिमा स्वामी (36) बंगलों में खाना बनाने का काम करती हैं, बीती रात करीब 2:45 बजे वह अपने बेटे देव स्वामी के साथ घर में सो रही थीं। तभी अचानक घर के बाहर बम फटने की जोरदार आवाज आई। आवाज सुनकर जब मारिमा और उनका बेटा बाहर भागे, तो उन्होंने गली में मोहल्ले के ही आशीष फ्रांसिस, गणेश गौड़ और प्रवीण उर्फ सानू कोष्टा को तेजी से भागते हुए देखा। जांच करने पर घर के सामने और उनकी मां लक्ष्मी नायडू के घर की पिछली दीवार पर बम फटने के निशान मिले। मौके पर फटे हुए बम के अवशेष और एक जिंदा बम भी बरामद हुआ है।

निरीक्षण

कलेक्टर ने किया जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण, मरीजों को बांटे फल

मरीजों और परिजनों से सीधे संवाद कर परखी अस्पताल की व्यवस्थाएं

मंडला। जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर एवं सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने रविवार को जिला चिकित्सालय का पुन: औचक निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि लगभग एक माह पूर्व भी कलेक्टर श्री धोटे द्वारा जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं में सुधार के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए थे। रविवार को किए गए निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य पूर्व में दिए गए निर्देशों के पालन एवं व्यवस्थाओं में आए सुधार की स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन करना रहा।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे सर्वप्रथम पीडियाट्रिक वार्ड पहुँचे, जहाँ उन्होंने भर्ती बच्चों की माताओं से आत्मीय संवाद किया। मदर्स डे के अवसर पर उन्होंने उपस्थित सभी माताओं को शुभकामनाएँ दीं तथा नवजात शिशुओं के जन्म पर माताओं एवं परिवारजनों को बधाई देते हुए उनके स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने माताओं को फ्ल वितरित किए।

कलेक्टर ने वार्ड में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, समय पर भोजन

वितरण, पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्धता, अस्पताल स्टाफ के व्यवहार, चिकित्सकीय परामर्श एवं साफ-सफाई की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मरीजों एवं परिजनों से कहा कि अस्पताल में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे नि:संकोच संबंधित अधिकारियों को अवगत कराएं, ताकि त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

इसके पश्चात उन्होंने एएनसी वार्ड तथा पोस्ट लेबर रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा करते हुए स्वच्छता, मरीजों की सुविधा, बेड व्यवस्था एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता का जायजा लिया। उन्होंने भर्ती महिलाओं एवं उनके परिजनों से भी चर्चा कर अस्पताल की व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने देखा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों के साथ आने वाले परिजनों के भोजन करने के लिए समुचित स्थान उपलब्ध नहीं है। इस पर उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि परिजनों के बैठने एवं भोजन करने के लिए उपयुक्त स्थान का चयन कर आवश्यक व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित की जाए, जिससे मरीजों के साथ आने वाले लोगों को भी सुविधा मिल सके।

इस अवसर पर सिविल सर्जन द्वारा जानकारी दी गई कि जिला चिकित्सालय में मैटरनिटी विंग के विस्तार के लिए भवन के ऊपरी तल पर अतिरिक्त व्यवस्था विकसित की जा रही है। इसके पूर्ण होने के बाद अस्पताल में पर्याप्त स्थान उपलब्ध होगा तथा गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं को बेहतर सुविधाएँ प्रदान की जा सकेंगी। कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में मरीजों एवं परिजनों की सुविधा के लिए आवश्यक सूचना प्रणाली को और बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए।